PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

गरमागरम चाय चाहिये!

Authors: Mala Kumar, Manisha Chaudhry
Illustrator: Priya Kuriyan
Translator: Rajesh Khar

पठन स्तर २

हमने अभी-अभी स्कूल की सर्दियों वाली वर्दी बाहर निकाली है। वैसे अभी ज़्यादा सर्दी नहीं है। सर्दी के मौसम को संस्कृत में शिशिर ऋतु कहते हैं। इस मौसम में गरमागरम खाना खाने में मुझे मज़ा आता है।

कल हम मामा के साथ मूँगफली मेले में गए थे जो बेंगलूरू के नन्दी मंदिर के पास लगता है। सड़क की दोनों ओर मूँगफली के ढेर लगे हुए थे। सूखी मूँगफली, उबली और नमकीन मूँगफली, भुनी हुई मूँगफली!

मामा बता रहे थे कि गुजरात में सर्दियों में ठीक हमारे मूँगफली मेले की तरह का पोंख मेला लगता है। सभी ताज़े पोंख की नरम और हरी-हरी फलियों को बड़े चाव से खाते हैं। गुजरात में जौ को पोंख कहा जाता है। किसान सब लोगों के खाने के लिए ढेरों के ढेर पोंख के दानों को कोयले की आग में भूनते हैं।

मैं मेले में एक चटख नीले रंग का स्वेटर पहन कर गयी थी। रास्ते के किनारे कई सारी दुकानें लगी हुई थीं। मनु बड़े वाले गोल झूले पर बैठना चाह रहा था। मैं दादी के लिए एक गरम और नरम शाल खरीदना चाहती थी।

अब तो काफ़ी ठण्ड हो गयी है। मैं स्कूल जाते हुए रास्ते में अपने हाथों को आपस में रगड़ती रहती हूँ। मेरी नयी लाल चूड़ियाँ धीरे से खनकती हैं! वाह क्या बात है! मैं ज़ोर से कह उठती हूँ। और जैसे ही बात करने के लिए मुँह खोलती हूँ, मेरे सामने भाप का छोटा सा गोला बन जाता है।

मेरी सहेली रजनी शिमला में रहती है। उसके दादा के गाँव में लोग बाँस की टोकरियों में ठूँस-ठूँस कर बर्फ़ भरते हैं और उस शंकु जैसे बर्फ़ के ढेर को घर की छत पर रख देते हैं। फिर सभी बच्चे बड़ों से आशीर्वाद लेते हैं। रजनी ने यह भी बताया कि वहाँ बर्फ़ के पुतले बनाने की प्रतियोगिता होती है। श्रीनगर में जब पहले दिन बर्फ़ पड़ती है तो लोग आपस में "नौशीन मुबारक" कहते हैं और कागज़ के टुकड़े में थोड़ी बर्फ़ को लपेट कर अपने मित्रों को भेजते हैं।

जिस मित्र को यह बर्फ़ वाला कागज़ मिलता है, वह आपको खाने पर घर बुलाता है! कितना मज़ा आयेगा बर्फ़ में खेलने में और फिर रोग़नजोश और नान की दावत खाने में। रजनी कह रही थी कि बर्फ़ से ढके हुए पेड़-पौधे बड़े ही सुन्दर दिखते हैं।

सभी को गरम चाय पीने में मज़ा आता है और रजनी को गुड़ डला गरम दू पीना अच्छा लगता है। ऐसी ठण्ड में बिना जेकेट, टोपी, दस्तानों और गुलूबंद के घर से बाहर नहीं निकल सकते। पर वह कहती है कि बर्फ़ के नरम गोले एक दूसरे पर फेंकने का खेल अनोखा है!

अगली सर्दी की छुट्टियों में मैं या तो शिमला जाना चाहती हूँ या फिर जैसलमेर। जैसलमेर में तो बर्फ़ नहीं पड़ती, वहाँ केवल रेत ही रेत है। मेरा जैसलमेर का मरूभूमि मेला देखने का बड़ा मन है। मैं ऊँट की सवारी करूँगी, लोकनृत्य और कठपुतलियों का खेल देखूँगी और पगड़ी बाँधने की प्रतियोगिता में भी भाग लूँगी!

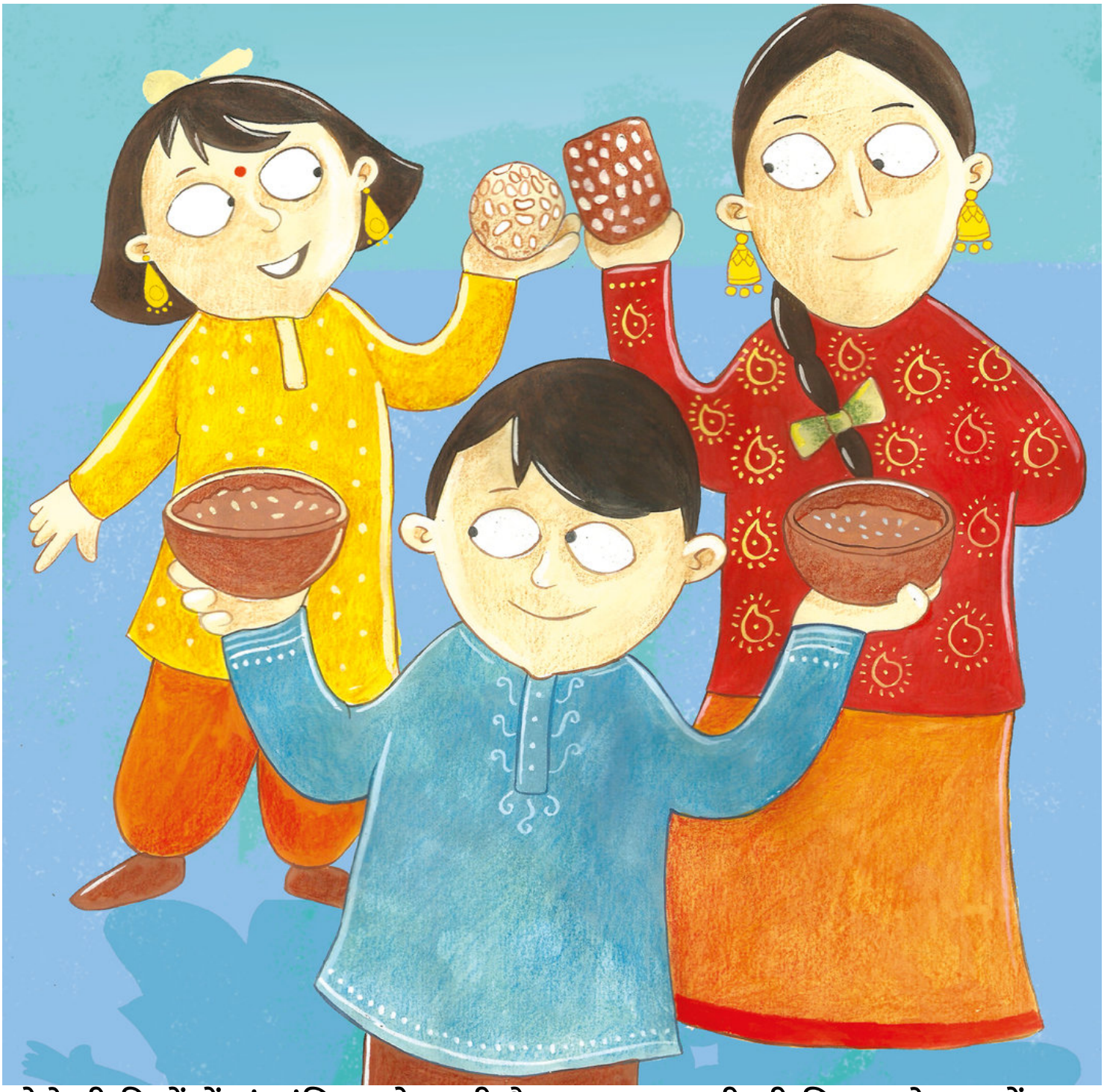

थोड़े ही दिनों में संक्रांति आने वाली है। जानू कह रही थी कि उसके घर में तिलगुड़ बनायी जाती है। रोहन के घर में येल्लू बनता है और नरसी कहता है कि संक्रांति में उसे चिगडी खाना अच्छा लगता है।

क्या आप जानते हैं कि ये सारी चीज़ें गुड़ और तिल से बनती हैं! सर्दी में ज़रूर ये चीज़ें हमारी सेहत के लिए अच्छी होती हैं। मुझे सर्दियाँ अच्छी लगती हैं। जब मेरे मित्र मुझे गले लगाते हैं तब मुझे अच्छा लगता है। मुझे दादी की गोद में बैठकर किताब पढ़ने में बड़ा मज़ा
आता है।

मेरा पेड़ कभी भी बर्फ़ से नहीं ढकेगा।

पर मैं चाहती हूँ कि जल्दी ही इस पर बहुत से आम
लगें। इस पर गिलहरियों, चिड़ियों और तोतों का ताँता लग जाए।

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Story Attribution:

This story: गरमागरम चाय चाहिये! is translated by Rajesh Khar . The © for this translation lies with Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Based on Original story: 'Hot Tea and Warm Rugs', by Mala Kumar, Manisha Chaudhry . © Pratham Books , 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Other Credits:

This book has been published on StoryWeaver by Pratham Books. Pratham Books is a not-for-profit organization that publishes books in multiple Indian languages to promote reading among children. www.prathambooks.org

Images Attributions:

Cover page: Girl sitting on bed with winter clothes around her and lady bringing mugs by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 2: Girl sitting on bed with winter clothes and lady bringing mugs by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 3: Family in a groundnut fair, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 4: Family in a groundnut fair, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 5: Girl looking at shawls, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 6: Girl going to school in winter, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 7: Girl building snowmen, by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 8: Girls laughing and playing in the snow by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 9: Girls laughing and playing in the snow by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 10: Girl and man riding on the back of a camel in a desert by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

PRATHAM BOOKS storyweaver

This book was made possible by Pratham Books' StoryWeaver platform. Content under Creative Commons licenses can be downloaded, translated and can even be used to create new stories provided you give appropriate credit, and indicate if changes were made. To know more about this, and the full terms of use and attribution, please visit the following link.

Images Attributions:

Page 11: Two girls and a boy holding sweets during a festival by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 12: Girl sitting on grandmother's lap and reading while a black cat sleeps by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 13: Girl looking at a tree with a bird and its eggs in the nest by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license. Page 14: Girl swinging on a tree with fruits, leaves and birds by Priya Kuriyan © Pratham Books, 2012. Some rights reserved. Released under CC BY 4.0 license.

Disclaimer: https://www.storyweaver.org.in/terms_and_conditions

Some rights reserved. This book is CC-BY-4.0 licensed. You can copy, modify, distribute and perform the work, even for commercial purposes, all without asking permission. For full terms of use and attribution, http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

गरमागरम चाय चाहिये!

(Hindi)

चुस्त सी सर्दियों की वर्दियाँ निकल चुकी हैं और हवा में मूँगफली के भुनने की महक आ रही है। मुँह खोलते ही सामने भाप का गोला बन जाता है! आइए, देखें कि सर्दियों के मौसम में क्या हो रहा है।

This is a Level 2 book for children who recognize familiar words and can read new words with help.

PRATHAM BOOKS storyweaver

Pratham Books goes digital to weave a whole new chapter in the realm of multilingual children's stories. Knitting together children, authors, illustrators and publishers. Folding in teachers, and translators. To create a rich fabric of openly licensed multilingual stories for the children of India and the world. Our unique online platform, StoryWeaver, is a playground where children, parents, teachers and librarians can get creative. Come, start weaving today, and help us get a book in every child's hand!